दीपोत्सव पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

शुभ प्रभात

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

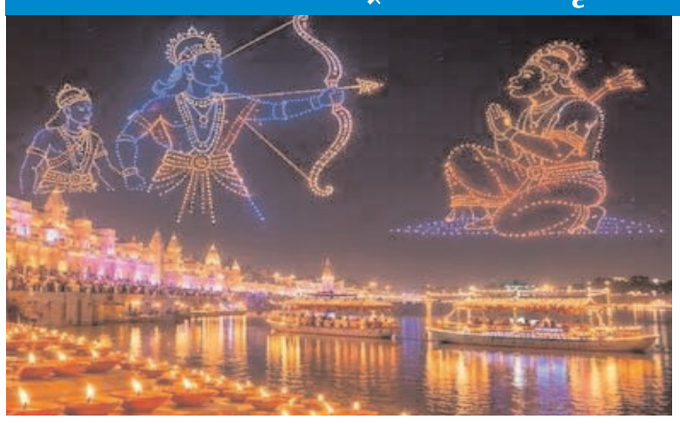
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, रविवार 08 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 143 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

राम की नगरी अयोध्या दीपोत्सव पर लाखों दीपों से हुई रौशन

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया भव्य दीपोत्सव का शुभारंभ

अयोध्या,(एजेंसी)। देश के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को राम की नगरी अयोध्या में दसवें दीपोत्सव का भव्य शुभारंभ किया। दीपोत्सव पर 30 लाख दीये सरयू नदी के 56 घाटों पर प्रज्जवलित किये जा रहे हैं। समूची राम नगरी वेदमंत्रों, शंख ध्वनि और जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान रही। इस आयोजन के लिए रामनगरी को त्रेतायुग की तरह जगह-जगह चौक पूरना, रंगोली और ध्वजों, तोरणद्वारों से सजाया गया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत बडी संख्या में साधु-संत और आचार्य इस भव्य दीपोत्सव के साक्षी बने। मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रामकथा पार्क में आयोजित दीपोत्सव समारोह का शुभारंभ करते हुए श्रीराम का उद्घोष किया



और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अयोध्यावासियों, साधु-संतों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भगवान श्री राम का जीवन हमें सिखाता है कि आदर्श जीवन कर्तव्य निभाने से होता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने अपने जीवन में व्यक्तिगत हितों, निजी हितों से ऊपर उठकर प्रजा हितों को सर्वोच्च माना। इसीलिए हम उन्हें भगवान कहते हैं। उन्होंने कहा कि शताब्दियों के संघर्ष के बाद भगवान राम का मंदिर हम सबके सामने हैं। मर्यादा पुरुषोत्म राम हम सबके लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि आज मंदिर में दर्शन के बाद मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से ऐसी दिव्यता अयोध्या में आयी है और मंदिर निर्माण कारसेवकों व साधु-संतों के त्याग से हुआ है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने राम कथा, रामायण लिखकर दुनिया को एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या को एक अंतरराष्ट्रीय शहर बना दिया है। आज का दीपोत्सव एक सामान्य नहीं है प्रत्येक भारतीय के घर में है। इससे संदेश जाएगा कि प्रत्येक परिवार में उजाला फैलाने वाला है।

मुख्यमंत्री ने स्वयं रथ खींचकर किया भगवान का स्वागत

अयोध्या। दीपोत्सव समारोह से पूर्व त्रेतायुग की परंपरा को साकार करते हुए भगवान श्री सीताराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूप पुष्पक विमान रूपी हेलिकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की अगवानी की। इसके बाद भगवान श्री सीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुंचे। खास बात यह रही कि इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया। त्रेतायुग की इस परंपरा के सजीव मंचन ने श्रद्धालुओं को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया। इस समारोह के बाद उपराष्ट्रपति सभी अतिथि सरयू घाट पहुंच कर आरती की और दीपोत्सव में 18 लाख दीपों के प्रज्जवलन कर बनाए गए विश्व रिकार्ड को भी देखा। इस अवसर पर प्रदेश के कई मंत्री और प्रमुख संत व धर्माचार्य, अतिथि शामिल हुए।

भारतीय संस्कृति में सिर्फ पर्यटन नहीं, तीर्थाटन की भावना महत्वपूर्णः मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में किया दीपदान

चित्रकूट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां अन्य देशों में पर्यटन की दृष्टि से ही विभिन्न स्थानों का विकास होता है, वहीं हमारे देश में नागरिकों के लिए तीर्थाटन की दृष्टि से धार्मिक महत्व के स्थानों के समग्र विकास पर ध्यान दिया जाता है। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि ऐसे स्थानों पर आने से सभी के मनोभाव पावन हो जाते हैं। चित्रकूट क्षेत्र का विकास भी इसी अवधारणा पर केंद्रित है। उज्जैन के महाकाल लोक की तरह ओरछा में राम राजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दीपावली पर्व के अवसर पर भगवान श्री राम की तपोभूमि सतना जिले के चित्रकूट पहुंचकर पवित्र मंदाकिनी नदी में दीपदान किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश और देश के नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मां मंदाकिनी की पूजा अर्चना की और चित्रकूट धाम के संतों का शाल,श्रीफल और अंगवस्त्र देकर सम्मान



किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक 81.17 करोड़ से निर्मित होने वाली फोरलेन सड़क निर्माण का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह सड़क श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यात्रा को सुगम बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इस अवसर पर बच्चों को दीपावली के उपहार प्रदान किए। समारोह के उपरांत मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए पीपा पुल का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि आज रूप चौदस का पावन दिन है। हम सब दीपावली का पर्व हर्ष और उल्लास से मना रहे हैं। हमारे पर्व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहचान हैं। मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट सहित प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों का सर्वांगीण विकास कर रही है । उज्जैन के महाकाल लोक की तरह ओरछा में राम राजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। चित्रकूट में भगवान राम ने अपने वनवास काल के 11 वर्ष से अधिक का समय बिताया। यह भगवान राम की तपोभूमि है। भगवान श्री कृष्ण ने मध्यप्रदेश के ही उज्जैन में गुरु ज्ञान प्राप्त किया। ओंकारेश्वर में जगतगुरु शंकराचार्य जी को उनके गुरु मिले और उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। इस नाते मध्यप्रदेश भारत के प्राचीन युग में हुई प्रमुख घटनाओं और गौरवशाली व्यक्तित्वों की शिक्षा और कर्मभूमि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट धाम में दीपावली के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय दीपोत्सव मेला में शामिल होकर मां मंदाकिनी नदी के पंचवटी घाट पर दीपदान किया। दीपावली में चित्रकूट में लाखों श्रद्धालु दीपदान कर रहे है। मुख्यमंत्री ने भगवान कामतानाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धालुओं को मिठाई बांटी और शुभकामनायें दी।

अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवाकाल देने का मिलेगा अवसर : राजनाथ सिंह



सिलीगुड़ी,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना को लेकर शनिवार को कहा कि चार वर्ष का निर्धारित सेवाकाल पूरा करने वाले शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी इच्छा और कार्यकुशलता के आधार पर दो वर्ष का अतिरिक्त सेवाकाल देने का अवसर मिलेगा। निर्धारित मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले अग्निवीरों को नियमित सैनिक के रूप में सेना में शामिल होने का अवसर भी दिया जाएगा। इस पहल से युवाओं को मातृभूमि की सेवा करने का एक और अवसर मिलेगा। रक्षा मंत्री ने पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा में बागडोगरा क्षेत्र के सामरिक महत्व को रेखांकित करते हुए यहां तैनात वायुसेना कर्मियों से पूरी सतर्कता और अभियान संबंधी तैयारियां बनाए रखने का आह्वान किया। सिक्किम रवाना होने से पहले सिलीगुड़ी के बागडोगरा एयरफील्ड में वायुसेना कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब युद्ध केवल सीमाओं पर होने वाली पारंपरिक लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर हमले, ड्रोन हमले, छद्म युद्ध और सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक सूचनाएं फैलाना भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दीपावली के अवसर पर बागडोगरा वायुसेना स्टेशन पहुंचकर भारतीय वायुसेना के जवानों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने जवानों का मुंह मीठा कराया और उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने जवानों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद से लेकर देश की सुरक्षा तक, हर मोर्चे पर भारतीय वायुसेना का योगदान सराहनीय और देश के लिए गर्व का विषय है। जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय वायुसेना के वीर जवानों का साहस और समर्पण न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में पहचाना जाता है। विपरीत परिस्थितियों में देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना हो या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की जिम्मेदारी निभानी हो, वायुसेना के जवान हर चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उनका समर्पण देश की सबसे बड़ी ताकत है। सशस्त्र बलों में अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो, सैनिकों में साहस और अनुशासन के बिना उसका कोई महत्व नहीं रह जाता। अनुशासन ही एक सामान्य सैनिक को असाधारण योद्धा बनाता है। उन्होंने कहा कि सैन्य क्षमता को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के साथ-साथ सैनिकों में साहस, समर्पण और अनुशासन भी जरूरी है। रक्षा मंत्री ने ड्रोन और साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों में सशस्त्र बलों को और अधिक दक्ष बनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जवानों को ड्रोन संचालन, साइबर सुरक्षा और युद्ध की बदलती रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भविष्य की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सशस्त्र बलों को आधुनिक तकनीक से लैस करना जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि जवानों के सहयोग और समर्पण से भारत इस दिशा में लगातार मजबूती से आगे बढ़ेगा। देश के रक्षा उत्पादन क्षेत्र में हो रही प्रगति का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की पहल से देश के स्टार्टअप और औद्योगिक संस्थान ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा सैनिकों के लिए आधुनिक उपकरण तैयार कर रहे हैं।

सांसद अभिषेक बनर्जी का आरोप, भाजपा समर्थकों ने किया हमला



कहा हथियार लेकर घुसे,पत्थर फेंके; पुलिस मूकदर्शक बनी रही

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि कल शुक्रवार देर रात उनके कालीघाट स्थित आवास पर भाजपा समर्थकों ने हमला किया। बनर्जी के मुताबिक, रात करीब दो बजे कुछ लोग हथियार और लाठी-डंडे लेकर उनके घर में घुसने की कोशिश करने लगे। इस दौरान पत्थर भी फेंके गए। उन्होंने घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर साझा करते हुए इसे जान से मारने की साजिश बताया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। घटना के बाद अभिषेक बनर्जी समर्थकों के साथ अपने आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच भी झड़प हुई। इसमें महिलाओं समेत कई लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैरिकेडिंग की और अतिरिक्त बल तैनात किया। जानकारी के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के मौके पर उनके समर्थक कालीघाट स्थित आवास के बाहर बैनर और पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं से उनकी कहासुनी हो गई। टीएमसी समर्थकों का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने पत्थरों और लोहे की छड़ों से हमला किया। वहीं, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया है। पार्टी का दावा है कि उसके कार्यकर्ता कुम्हारटोली से काली की मूर्तियां खरीदकर लौट रहे थे, तभी टीएमसी समर्थकों ने उन पर हमला कर दिया। इस तरह दोनों दलों ने एक-दूसरे पर हिंसा शुरू करने के आरोप लगाए हैं। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पूरी घटना कोलकाता पुलिस की मौजूदगी और निगरानी में हुई, लेकिन पुलिस ने हमलावरों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर भी सवाल उठाए। बनर्जी ने घटना से जुड़े वीडियो सार्वजनिक करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद अभिषेक बनर्जी से जुड़ी हिंसा की यह तीसरी घटना बताई जा रही है। इससे पहले 30 मई को सोनारपुर में उनके काफिले पर अंडे और पत्थर फेंके गए थे। इसके बाद 30 जून और 1 जुलाई के बीच कोलकाता में उनके घर के गेट पर पत्थर फेंकने का आरोप सामने आया था। बनर्जी का दावा है कि पिछले छह महीनों में उनकी जान लेने की सात बार कोशिश की जा चुकी है। ताजा घटना से पहले अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक और गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि पिछले दो दिनों से कुछ अज्ञात लोग मोटरसाइकिल से उनके आवास और कार्यालय की रेकी कर रहे थे। पूछताछ करने पर इन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया था।

दीपावली-छठ पर रेलवे ने चलाईं 18 हजार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें : वैष्णव

केंद्रीय मंत्री ने कहा स्टेशनों पर भीड़ की निगरानी के लिए लगाए गए एआई कैमरे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दीपावली और छठ सहित त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने करीब 18 हजार अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर करीब 700 कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से भीड़ की निगरानी की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं। वैष्णव ने रेल भवन में रेलवे के वॉर रूम की तैयारियों और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ के दौरान रेलवे के लिए यातायात का दबाव काफी बढ़ जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए रेलवे ने पिछले छह महीने से तैयारियां शुरू कर दी थीं। पिछले साल त्योहारी सीजन में करीब 12 हजार विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं, जबकि इस साल इनकी संख्या बढ़ाकर करीब 18 हजार कर दी गई है। इनमें कई विशेष ट्रेनों को नियमित सेवा में भी परिवर्तित किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में रेलवे ने करीब 75 हजार विशेष ट्रेनें चलाई थीं, जबकि चालू वित्त वर्ष में इनकी संख्या 80 हजार से अधिक होने जा रही है। रेलवे का प्रयास है कि त्योहारों के दौरान यात्रियों को घर पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो और भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन किया जा सके। रेल मंत्री



ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 स्टेशनों पर अलग से होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां यात्री अपनी ट्रेन के प्रस्थान से पहले आराम से इंतजार कर सकते हैं। इन क्षेत्रों में टिकट काउंटर भी स्थानांतरित किए गए हैं, ताकि यात्रियों को टिकट लेने के लिए स्टेशन परिसर के भीतर जाने की जरूरत न पड़े। सुरक्षा जांच के दौरान लंबी कतारों से बचने के लिए सामान की जांच के वास्ते कई स्कैनिंग काउंटर भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे का वॉर रूम चौबीसों घंटे काम करता है। यहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), परिचालन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहते हैं। वॉर रूम में लाइव हीट मैप के माध्यम से विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जाती है। इसमें हरा रंग सामान्य भीड़, पीला रंग बढ़ती भीड़ और लाल रंग अत्यधिक भीड़ का संकेत देता है।

पीएम मोदी इस बार भी वीर जवानों के बीच मनाएंगे दीपावली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार भी दीपावली देश के वीर जवानों के बीच मनाएंगे। उन्होंने शनिवार को दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर वर्ष उनका देश के वीर जवानों के बीच जाकर दीपावली मनाने का प्रयास रहता है और इस बार भी यह परंपरा जारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो संदेश में कहा,दीपावली के पावन पर्व पर पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सभी को दीपावली की मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पर्व और आपका आगे का समय सुख, शांति और समृद्धि से भरा रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं और हर वर्ष आप जानते हैं कि देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्य क्रम है। इस बार भी जारी रहेगा।

अवकाश सूचना

दीपावली पर दैनिक राष्ट्रीय गरिमा कार्यालय में 08 नवम्बर 2026 को अवकाश रहेगा, हमारा अगला अंक 10 नवम्बर 2026 को प्रकाशित होगा।

– प्रबंध संपादक

अयोध्या बाबरी मस्जिद विध्वंस देखकर रो पड़ी थीं सोनिया गांधी

नई दिल्ली। 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना ने देश की राजनीति और सामाजिक माहौल पर गहरा असर डाला था। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी इस घटना से जुड़ी अपनी यादें साझा की हैं। एक नई किताब में उल्लेख किया गया है कि बाबरी मस्जिद के विध्वंस की खबर और उससे जुड़े घटनाक्रम को देखकर सोनिया गांधी भावुक हो गई थीं और उनकी आंखों से आंसू निकल आए थे। सोनिया गांधी ने अपनी नई संस्मरण पुस्तक 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' में लिखा है कि दिसंबर 1992 में जब वह टेलीविजन पर अयोध्या में बाबरी मस्जिद का विध्वंस देख रही थीं, तब उनकी आंखों से आंसू निकल आए थे। उन्होंने महसूस किया कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने जिस धर्मनिरपेक्ष भारत की कल्पना की थी, उसे बचाए रखने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ेगा। सोनिया गांधी के मुताबिक, उस समय अयोध्या आंदोलन तेजी से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ रहा था। मस्जिद के निर्माण को लेकर दावा किया जा रहा था कि यह एक प्राचीन मंदिर के अवशेषों पर बनाई गई थी। दिसंबर 1992 में विवादित ढांचा गिराए जाने से देश की राजनीति और सामाजिक वातावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा।

कांग्रेस को नहीं पच रहा है राम मंदिर का निर्माणः तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर तीखा हमला बोला। चुग ने कहा कि कांग्रेस को श्रीराम मंदिर का निर्माण पच नहीं रहा है। भारत ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की भूमि है, भारत की संस्कृति का अपमान मत करिए। भारत में विरासत और विकास दोनों एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण, वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और श्री स्वर्ण मंदिर के आसपास कॉरिडोर इसके प्रमाण हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि श्रीराम मंदिर के निर्माण को रोकने में कांग्रेस लगी थी, उनके नेताओं ने कोर्ट में हलफनामा दिया था। उन्होंने सवाल उठाया कि आपातकाल लगाकर संवैधानिक और नागरिक अधिकारों को किसने कुचला 1984 के समय गांधी-नेहरू परिवार के आदेशों पर कत्लेआम हो रहा था, तब आप कहां थीं? देश इन सवालों का जवाब चाहता है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने एक अखबार में लिखे लेख में कहा था कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतांत्रिक ढांचे, संवैधानिक संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। अब लोगों को इस नुकसान का एहसास होने लगा है और वे मौजूदा हालात को लेकर बेचैन हैं।

देश में आपातकाल सांविधानिक तरीके से किया गया था : सोनिया गांधी

1975 के दौरान आपातकाल पर सोनिया ने किया इंदिरा गांधी का बचाव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने आपातकाल को लेकर भी अपनी राय रखी। एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था। सोनिया गांधी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में



हमारे देश की बुनियाद, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि अब लोग इस नुकसान को समझने लगे हैं। सोनिया ने भरोसा जताया कि देश के मतदाता लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने और बेहतर शासन की वापसी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार के जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को फिर से सही स्थिति में लाने में समय लगेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को काफी प्रयास करने होंगे। लोग अब बेचैन होने लगे हैं और उन्हें हो रहे नुकसान का एहसास हो रहा है। लेकिन मैं आशावादी हूं और मुझे विश्वास है कि भारत के लोग बेहतर शासन व्यवस्था की वापसी का स्वागत करेंगे। साल 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में अपनी राय रखते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि उस दौरान 21 महीनों तक लोकतांत्रिक अधिकार सीमित कर दिए गए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में आम चुनाव कराने का फैसला किया। सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था। उन्होंने उस समय के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी तेजी से बिगड़ती परिस्थितियों से निपटने की कोशिश कर रही थीं। सोनिया के मुताबिक, उस समय हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक परिवहन को आग के हवाले किया जा रहा था। बड़े पैमाने पर संगठित अशांति फैली हुई थी। यहां तक कि नौकरशाही और सशस्त्र बलों से सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की अपील भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लगाने के फैसले का समाधान आखिरकार लोकतांत्रिक तरीके से ही निकाला गया। सोनिया गांधी ने कहा कि आज पीछे मुड़कर देखने पर हम उन घटनाओं को बेहतर नजरिये से समझ सकते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में

दीपावली पर्व पर निगम द्वारा शहर में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने निर्देशित किया है कि दीपावली के साथ ही अन्य त्यौहारों/अन्य पर्वों पर निगम द्वारा शहर में की जाने वाली साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जाये साथ ही फुव्वारों को भी सुचारू रूप से संचालित करें और रेस्टोरेशन कार्य निर्धारित मानकों अनुसार कराये जायें ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर श्रीमती राय ने यह निर्देश निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में त्यौहारों के अवसर पर किये जानी वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए दिए। समीक्षा के दौरान समस्त अपर आयुक्तगण, उपायुक्त व अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में शनिवार को निगम मुख्यालय अटल भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में दीपावली सहित अन्य त्यौहारों/पर्वों पर नगर निगम द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय व निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने त्यौहारों के अवसर पर साफ-सफाई व्यवस्था के साथ ही पेयजल, स्ट्रीट लाईट, फुव्वारे व रेस्टोरेशन कार्य आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि त्यौहारों/पर्वों पर साफ-सफाई व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाये रखा जाये और बाजार व अन्य प्रमुख स्थानों सहित सभी क्षेत्रों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई की जाये और कचरा प्रबंधन कार्य भी निर्धारित मानकों अनुसार सुनिश्चित किया जाये।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए गुमठी, लोडिंग आटो किया जप्त

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर पालिक निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को सख्ती से हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम अमले ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त षिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनें चबूतरे, आवागमन में बाधक लोडिंग वाहन, ब्रेकर, खंबों पर लगे बोर्ड, दुकानों के बाहर रखा सामान, फुटपाथ आदि पर लगी सब्जी की दुकानें, बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, काउंटर, बोर्ड, स्टूल, कुर्सी, टेबिल व अन्य अतिक्रमणों को हटाकर 01 गुमठी, 01 खराब लोडिंग आटो को जप्त किया। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देष पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को कोलार निर्मलादेवी गेट, कटियार मार्केट, सी.आई. कालोनी अषोका होटल, राजहर्ष कालोनी, ललिता नगर, बंजारी चौराहा, अयोध्या बायपास, जे.के. रोड, 1100 क्वार्टर, 10 नम्बर स्टॉप, एम.पी. नगर चौराहा, माता मंदिर, सेकेण्ड स्टाप, लिंक रोड नं.-01व02, पॉलीटेक्निक चौराहा, बाणगंगा, वी.आई.पी रोड, लालघाटी, डी.आई.जी बंगला चौराहा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए सी.आई.कालोनी अशोका होटल के पीछे अवैध रूप से बना 01 स्पीड ब्रेकर, कोलार राजहर्ष कालोनी में 01 मकान के सामने अवैध रूप से निर्मित चबूतरा तो?ा। निगम अमले ने कोलार कटियार मार्केट में 03 दुकानों के सामने लगे टेंट, व्हीआईपी रोड से लालघाटी, पॉलीटेक्निक से बाणगंगा चौराहे एवं एम.पी.नगर से 1100 क्वार्टर्स आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए खंबो आदि पर लगे बोर्ड, माता मंदिर के सामने टायर पंचर की दुकान के बाहर रखे टायर हटवाये साथ ही उपरोक्त कार्यवाही के अलावा अन्य क्षेत्रों से दुकानों के बाहर रखा सामान, फुटपाथ आदि पर लगी सब्जी की दुकानें, बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, काउंटर, बोर्ड, स्टूल, कुर्सी, टेबिल व अन्य अतिक्रमणों को हटाकर 01 गुमठी, 01 खराब लोडिंग आटो को जप्त किया।







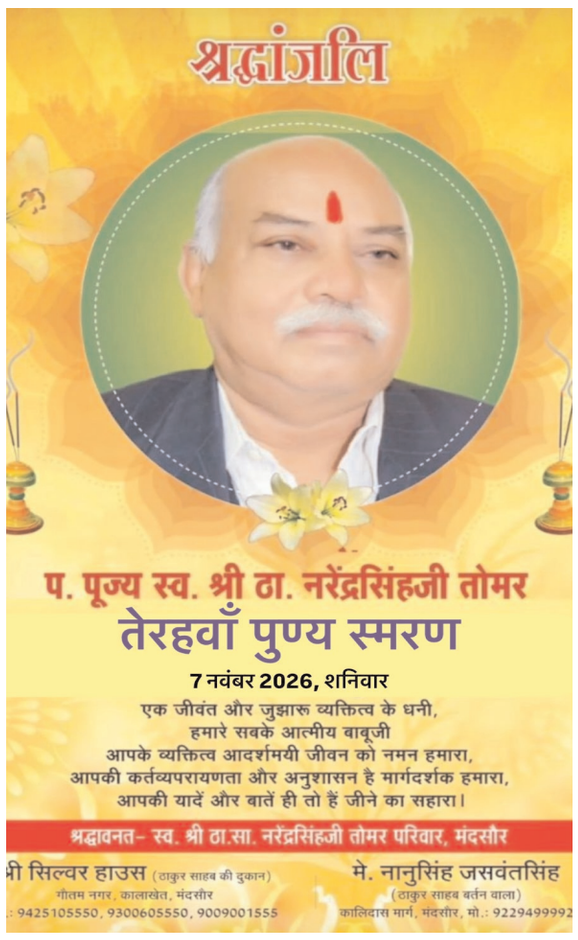


















मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, रविवार 08 नवम्बर 2026

किसानों को दिवाली गिफ्ट के बाद सड़कों के लिए 116 करोड़ जारी

मुंबई। अल नीनो के प्रभाव के कारण पर्याप्त बारिश न होने के कारण खरीफ और रबी की फसलें खराब हो गई हैं। ऐसे में अन्न, पानी और चारे के संकट से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने पहले 5,000 की अग्रिम वित्तीय सहायता सीधे खातों में भेजी थी। अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रभावित किसानों को दिवाली गिफ्ट दिया है।

गाजियाबाद पुलिस चौकी में धमाके की जांच एटीएस शुरु की

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले की वसुंधरा पुलिस चौकी में शुक्रवार रात हुए धमाके की जिम्मेदारी तहरीक उल मुजाहिदीन हिन्दुस्तान नाम के एक संगठन ने ली है। यूपी की एटीएस और अन्य जांच एजेंसियों ने घटना की जांच तेज कर दी है। गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ और यूपी एटीएस टीम के साथ ही तमाम बड़े अफसरों ने शनिवार को चौकी का दौरा किया।

अबूझमाड़ के बिनागोंडा गांव में 45 साल बाद उत्साह से मनाई दिवाली

नक्सल प्रभावित ग्राम बिनागोंडा में पहली बार दिखी खुशियों की रोशनी



कांकेर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के अबूझमाड़ अंचल से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो बदलते सामाजिक परिवेश और शांति की नई उम्मीदों की कहानी बयां करती है। नारायणपुर जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम बिनागोंडा में करीब 45 वर्षों बाद इस बार दिवाली का त्योहार खुशियों, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। दशकों तक भय और हिंसा के साये में रहे इस गांव में जब दीपों की रोशनी बिखरी तो यह नजारा महज एक त्योहार का आयोजन नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में नई उम्मीदों के आगमन का प्रतीक बन गया। अबूझमाड़ क्षेत्र का बिनागुंडा (या बिनागोंडा) गाँव प्रशासनिक रूप से छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की ओरछा (अबूझमाड़) तहसील के अंतर्गत आता है। जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह जिला मुख्यालय नारायणपुर से दक्षिण दिशा में लगभग 44 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लेकिन पुलिस प्रशासन और नक्सल अभियानों के रिकॉर्ड के अनुसार यह छोटे बेठिया थाना (जिला कांकेर) क्षेत्र के अंतर्गत आता है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित अबूझमाड़ के बिनागुंडा (बिनागोंडा) क्षेत्र में सुरक्षा बलों की मुस्तैदी और विकास कार्यों के चलते दशकों बाद इस वर्ष 2026 में दिवाली का त्योहार बेहद खास तरीके से मनाया गया है। हाल ही में सुरक्षा बलों और स्थानीय आदिवासियों ने मिलकर बिनागुंडा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पुल का निर्माण किया। इस प्रतिबंधित घने वनांचल क्षेत्र में नक्सलियों ने आतिशबाजी और पटाखों पर रोक लगा रखी थी, क्योंकि वे पटाखों की आवाज़ का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा इकाइयों के बीच संपर्क या लोकेशन बताने के लिए करते थे। क्षेत्र के नक्सलमुक्त होने के बाद अब यहाँ ग्रामीण और बच्चे खुलकर पटाखे जला रहे हैं। बिनागुंडा और अबूझमाड़ के अंदरूनी क्षेत्रों से ग्रामीण खुलकर नारायणपुर और नजदीकी बाजारों में दिवाली की खरीदारी (दीये, कपड़े और पटाखे) करने पहुंचे। नारायणपुर और उसके आसपास के वनांचल गांवों (जैसे कुतुल, बिनागोंडा) में सुरक्षा कैंप और नई सड़कें बनने से अब ग्रामीण बेझिझक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। पहले जहां लोग आने-जाने से कतराते थे, अब वहां दिवाली की खरीदारी, मिठाइयों और दीयों की भारी मांग देखी जा रही है। छत्तीसगढ़ प्रशासन की नियत नेल्लानार योजना और बुनियादी सुविधाओं (सड़क, मोबाइल नेटवर्क, बिजली, पीडीएस राशन) के पहुंचने से दशकों से कटे हुए इन गांवों के लोगों में एक नया विश्वास जगा है। स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के बाद अब दिवाली पर दीप जलाकर ग्रामीण राष्ट्रीय मुख्यधारा में लौटने के साथ उत्सव मना रहे हैं। लंबे समय तक नक्सलवाद के प्रभाव से प्रभावित रहे इस इलाके में त्योहारों की रौनक और सामूहिक खुशियों का अभाव रहा। ऐसे माहौल में बिनागोंडा में दिवाली का आयोजन अपने आप में खास महत्व रखता है। जन संघर्ष समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में दीपावली की खुशियां साझा की गईं।

स्वच्छता में छत्तीसगढ़ का डंका, रायपुर-बिलासपुर को मिलेगा पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली में करेंगी सम्मानित



रायपुर। स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में इन तीनों शहरों को पुरस्कृत करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति के हाथों छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान उन हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम का सम्मान है, जो प्रतिदिन हमारे शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए अथक मेहनत करते हैं। साथ ही यह उन जागरूक नागरिकों की सहभागिता का भी सम्मान है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत की है। आज स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। छत्तीसगढ़ भी इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहरों में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था हो, नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिले तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत हो। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की औपचारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्य में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए इन शहरों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है। मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्वच्छ भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में नागरिकों की सहभागिता और नगरीय निकायों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीयस्तर पर चयन यह दर्शाता है कि स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर प्रयास और सामूहिक भागीदारी से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की थीम स्वच्छता की नई पहल-बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ% रखी गई है। यह थीम स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी, जनजागरूकता और नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करती है।

रेवंत रेड्डी के परिवार पर बीआरएस ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

भारत राष्ट्र समिति ने केंद्र सरकार से कार्रवाई करने की मांग की



हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने एक बार फिर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के परिवार के सदस्यों पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया है। पार्टी ने केंद्र सरकार से इन आरोपों की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बीआरएस प्रवक्ता मन्ने क्रिषांक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के छोटे भाई अनुमुला कोंडल रेड्डी को याददाश्त खोने (मेमोरी लॉस) की समस्या से पीड़ित बताया गया था। उन्होंने कहा कि अदालत में पेश किए गए दस्तावेजों में बताया गया था कि रक्षा और एयरोस्पेस कंपनी %टेसरेक्ट एडवांस्ड सिस्टम्स% के चेयरमैन कोंडल रेड्डी इस समस्या से जूझ रहे थे। अदालत में एक प्रमाण पत्र भी जमा किया गया था, जिसके अनुसार उन्हें इलाज के लिए मेडिकवर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। क्रिषांक ने सवाल उठाया, इसके बावजूद ऐसे व्यक्ति के स्वामित्व वाली रक्षा और एयरोस्पेस कंपनी को जमीन आवंटित की जा रही है। हम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जानना चाहते हैं कि इस मामले में क्या कार्रवाई की जा रही है। बीआरएस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के छोटे भाई एक महंगी अंतरराष्ट्रीय मॉडल की कार खरीदने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन बैंकों ने ऋण देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कोंडल रेड्डी से अपना सिबिल स्कोर सार्वजनिक करने की मांग की। क्रिषांक ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) निगमों को धन जारी नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि राजीव युवा विकास योजना के लिए भी एक रुपये का आवंटन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी की सरकार ने एक नया निगम स्थापित किया है, जिसका नाम आरआर कॉर्पोरेशन है। रेवंत रेड्डी की बेटी नैमिषा रेड्डी ने स्कूलों में निवेश किया है। स्वच्छ बायो% के नाम पर उनके एक भाई के पास 1,000 करोड़ रुपये की जमीन है, जबकि दूसरे भाई ने रक्षा क्षेत्र में निवेश किया है। क्रिषांक ने आगे आरोप लगाया कि परिवार के सदस्य अपने कारोबारी प्रतिष्ठानों का इस्तेमाल धन के लेन-देन और निवेश के लिए कर रहे हैं।

गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून पर अकाल तख्त की कमेटी सख्त

पंजाब की मान सरकार से लागू करने की प्रक्रिया रोकने की मांग



चंडीगढ़। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सम्मान और मर्यादा से जुड़े पंजाब सरकार के %जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम 2026% को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब की विशेषज्ञ कमेटी ने कड़ा रुख अपनाया है। कमेटी ने पंजाब सरकार से संशोधित कानून को लागू करने की प्रक्रिया पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा इस संबंध में कदम उठाए जाने के बाद ही आगे की बातचीत की जाएगी। शनिवार को श्री आनंदपुर साहिब में श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित कानूनी विशेषज्ञों और सिख विद्वानों की कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रूपिंदर सिंह सोढ़ी, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति मोहिंदर मोहन सिंह बेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्ण सिंह हुंदल, सिख विद्वान डॉ. केहर सिंह और प्रोफेसर जगमोहन सिंह उपस्थित रहे। बैठक में सदस्यों ने कानून से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद फैसला लिया गया कि पंजाब सरकार पहले संशोधन अधिनियम के अमल पर पूरी तरह रोक लगाए। इसके अलावा सरकार को 29 जून 2026 को श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से जारी आदेशों पर अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपनी होगी। कमेटी का कहना है कि श्री अकाल तख्त साहिब की सहमति के बिना इस कानून को लागू करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ना चाहिए। जानकारी के अनुसार, पंजाब सरकार द्वारा गठित तालमेल कमेटी के नोडल अधिकारी ने 23 अक्टूबर 2026 को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय को पत्र भेजा था। इसमें सरकार की ओर से विशेषज्ञ कमेटी के साथ बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की गई थी। सचिवालय ने यह पत्र विशेषज्ञ कमेटी के समन्वयक को भेज दिया था। इसी प्रस्ताव और कानून से जुड़े अन्य विषयों पर विचार करने के लिए शनिवार को बैठक बुलाई गई।

अमेरिका में डिटेन हुआ लॉरेंस गैंग का सक्रिय सदस्य हरि बॉक्सर

विदेश में बैठकर रंगदारी और फायरिंग की वारदातों को दे रहा था अंजाम



जयपुर। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य हरिचंद जाट उर्फ हरि बॉक्सर को राजस्थान पुलिस की एटीएस-एजीटीएफ के प्रयासों से अमेरिकी एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने डिटेन कर लिया है। अब उसे भारत लाने की कार्रवाई जारी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस/एजीटीएफ/एएनटीएफ) दिनेश एमएन के अनुसार आरोपित विदेश में बैठकर राजस्थान सहित छह राज्यों में रंगदारी, हत्या और फायरिंग की वारदातों का संचालन कर रहा था। वह लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के लिए हथियारों की आपूर्ति भी करता था। चालीस वर्षीय हरिचंद जाट निवासी चतरपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ अप्रैल 2023 में अपने पासपोर्ट से विदेश फरार हो गया था। वह राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में रंगदारी की धमकियों और फायरिंग के मामलों में वांछित है। मुंबई में बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग करवाने के बाद उसने सोशल मीडिया पर इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। गैंग के सदस्य व्हाट्सऐप और सिग्नल के जरिए वीओआईपी कॉल तथा वीपीएन का इस्तेमाल कर व्यापारियों से रंगदारी मांगते हैं और रकम नहीं देने पर गोलीबारी करवाते हैं। आरोपित के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, चोरी और मारपीट सहित 22 से अधिक मामले दर्ज हैं। आर्म्स एक्ट के प्रकरण में वांछित होने पर 14 नवंबर 2024 को सीबीआई और इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया गया था। जांच में सामने आया कि वह दुबई से डोमिनिकन रिपब्लिक, फिर गुयाना और मैक्सिको बॉर्डर के रास्ते डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा और कैलिफोर्निया में रहने लगा। फरवरी 2025 में गुयाना में लोकेशन मिलने पर उसके खिलाफ प्रोविजनल अरेस्ट रिक्वेस्ट भेजी गई, लेकिन वह वहां से फरार हो गया। एजीटीएफ ने सीबीआई के माध्यम से करीब पांच देशों को 14 इंटरपोल रेफरेंस भेजे तथा दिसंबर 2024 से जुलाई 2026 के बीच अमेरिका को नौ इंटरपोल नोटिस भेजे। इसके अलावा 21 फरवरी 2025 को गिरफ्तारी अनुरोध, 19 अगस्त 2026 को अद्यतन डोजियर और 29 अक्टूबर 2026 को फिंगरप्रिंट उपलब्ध करवाए गए। तकनीकी टीम ने विदेशी मोबाइल नंबरों का विश्लेषण कर अहम सूचनाएं जुटाईं।

फरीदाबाद में टेक महिंद्रा के एशिया हेड की गोली मारकर हत्या

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले के सेक्टर-21सी में पार्किंग विवाद को लेकर टेक महिंद्रा कंपनी के एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि उनके पड़ोसी मोनू शर्मा ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उन पर करीब 15 राउंड फायरिंग की। परमजीत को नौ गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दोनों परिवारों के बीच कुत्ते को पार्किंग में शौच कराने और गाड़ी खड़ी करने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार, परमजीत पांच नवंबर को सिंगापुर से अपने घर लौटे थे। वह भांजे की शादी में शामिल होने आए थे, जो 24 नवंबर को होनी है। शुक्रवार रात जिम से लौटने के बाद पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने को लेकर उनका मोनू से विवाद हो गया। परमजीत ने अपनी निर्धारित पार्किंग में खड़ी मोनू की गाड़ी हटाने को कहा। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि मोनू अपनी लाइसेंसी पिस्टल लेकर वहां पहुंचा और परमजीत पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रह्लाद के अनुसार, सेक्टर-21 सी की बिल्डिंग नंबर-641 में परमजीत का परिवार पहली मंजिल पर रहता है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, रविवार 08 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

अचानक आई आपदा नहीं

एनडीएमए के भीड़ प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों को धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म की कहानियों का लिखा जाना जारी है! कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ के अगले ही दिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास दर्दनाक दुर्घटना हुई। कोलकाता में 19 और ग्वालियर में 15 श्रद्धालुओं की जान गई। हालांकि दो अलग जगहें हैं, दो घटनाएं हैं, और हादसों के शिकार पात्र अलग हैं, लेकिन दोनों दुर्घटनाओं में कई समान बातें हैं। बेशक, एक सड़क हादसा है, दूसरा भीड़ प्रबंधन की विफलता- लेकिन दोनों की जड़ में एक ही सच्चाई छिपी है कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को लग्जरी मानने का नजरिया कायम है। ऐसा इसलिए है कि हर साल धार्मिक स्थलों पर ऐसे अनगिनत हादसे होने के बावजूद ना कोई सीख ली जाती है, और ना ही कोई प्रभावी जवाबदेही तय होती है। ग्वालियर में ट्रक उस सड़क पर पहुंच गया जहां नो एंट्री थी और दोपहिया वाहनों तक को रोका जा रहा था। ऐसे में बैरिकेड तोड़ कर ढलान से नीचे उतरते हुए ट्रक ने कैसे श्रद्धालुओं को कुचला, यह रहस्यमय है। पुलिस को मालूम था कि नवरात्रि में भारी भीड़ होगी, फिर भी वह पुख्ता इंतजाम करने में नाकाम रही। राहत कार्य का आलाम यह था कि पीड़ित परिवारों को खुद क्रेन किराए पर लेनी पड़ी, ताकि शव बाहर निकाले जा सकें। उधर कोलकाता के चोरबागान पंडाल में एक ही निकास था, गलियां संकरी थीं, अंदर अंधेरा था, और बारिश की स्थिति में लोगों को नियमित रूप से निकालने की व्यवस्था नहीं थी। आयोजकों की सुरक्षा संबंधी घोषणा और सुरक्षा गार्डों की सीटियों ने भगदड़ को और भड़का दिया। गौरतलब है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं थी- बीते दिनों ही बैरिकेड कई बार टूट चुके थे, फिर भी अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत नहीं समझी गई। हादसों के बाद की कहानी भी घिसीपिटी है: कुछ पुलिसकर्मियों का निलंबन, आयोजकों की गिरफ्तारी, मुआवजे की घोषणा और जांच आयोग का गठन। जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में ही भीड़ प्रबंधन के दिशा-निर्देश तैयार किए थे। धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद उसे पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म और दर्द की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति



ललित

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बड़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बड़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा हैड़ घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा हैड़ कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गएड़ आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊंड़ उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंत:करण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ीड़ क्या क्रोध की कालिख साफ कीड़ क्या अहंकार के जाले हटाएड़ क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकालाड़ यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बड़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बड़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बड़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी। दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी हैड़ क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियताड़ क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए।

> दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बड़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा हैड़ घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा हैड़ कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गएड़ आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है।

राशिफल



मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में आप सफल हो सकते हैं। आज आप अपने साथियों और आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे। आज किसी काम में भाई-बहन का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज सोचे हुए काम पूरे होने की उम्मीद है। आज आपकी यात्रा सुखद रहेगी।

वृषभ राशि : वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज नौकरी में आपकी इंक्रीमेंट होने के चांस हैं। आज किसी जरूरी काम में परिवार का साथ मिलेगा। आज आपको अच्छी खबर मिल सकती है। आज आप रोजगार के मामले में किसी से सलाह ले सकते हैं

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन सामान्य से काफी अच्छा रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की उम्मीद है। आज कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। आज पारिवारिक काम को पूरा करने में सफल रहेंगे।

कर्क राशि : कर्क राशि वालों आज आप दोस्तों और परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रह सकते हैं। आज ऑफिस में आपको पुराना काम निपटाने की जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आज आप नई बिजनेस डील साइन कर सकते हैं, जिससे आपको काफी फायदा हो सकता है। आज अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज कामकाज निपटाने के लिए नए तरीके मिल सकते हैं। आज दोस्तों के साथ संबंधों में सुधार आ सकता है। आज भौतिक सुख-सुविधाओं की तरफ रुझान बढ़ सकता है। आज आपकी सेहत पहले से अच्छी रहेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन ठीक रहेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। इस राशि के जो लोग बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, आज उनके लिए समय अच्छा है। शुभ मुहूर्त देखकर काम शुरू करें, सफलता जरूर मिलेगी। आज आप समझदारी से कई काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आज कला के क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऑफिस में आज अपने काम की प्रशंसा के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ के मौके मिल सकते हैं। आज शाम को दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। आज छात्रों के लिए भी दिन बेहतर रहेगा। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आएंगे। आज महिलाएं शॉपिंग करने जा सकती हैं।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। आज घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्गों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपका ज्यादातर समय परिवार वालों के साथ बीतेगा, उनके साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान भी बना सकते हैं।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज शाम को घर में पार्टी का प्लान बना सकते हैं। कारोबारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा बेहतर हो सकती है, लेकिन धन के मामले में आपको सावधान रहने की भी जरूरत है। आज मित्र आपसे मिलने के लिए फोन कर सकता है।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के लोग अपनी लाइफ में कुछ बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे भविष्य में सफलता आपके कदम चूमेगी। अगर आज आप इंटरव्यू देने के लिए जा रहे हैं, तो सफलता मिलने के पूरे चांस हैं। आज धन लाभ भी हो सकता है।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति मिल सकती है। आज किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स अगर किसी नए कोर्स में एडमिशन लेना चाह रहे हैं, तो आज का दिन शुभ है। साहित्य से जुड़े लोगों को आज उनकी काबिलियत के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

प्रदूषण के बारूद पर नहीं, पर्यावरण के उजास पर सजे दीपोत्सव

योगेश कुमार गोयल



दीवाली, उजालों का त्योहार, खुशियों का स्वागत! लेकिन जब यही जश्न हमारी सांसों को घुटन से भर दे और हमारे वातावरण को जहर बना दे, तब कहीं न कहीं हमारी संवेदनशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सदियों से भारत में दीयों की रोशनी और हल्की आतिशबाजी के साथ दीपोत्सव मनाने की परम्परा रही है। यह उत्सव प्रतीक है बुराई पर अच्छाई की विजय का, अंधकार पर प्रकाश का, लेकिन पिछले कुछ दशकों में इसका स्वरूप इस कदर बदल गया है कि अब यह 'आतिशबाजी का युद्ध' प्रतीत होता है। जिस उत्सव की आत्मा प्रकाश और शांति में निहित थी, वह अब शोर, धुआं और प्रदूषण का पर्याय बन गया है। बीते वर्षों में अत्यधिक विस्फोटक पटाखों की भरमार ने इस पवित्र पर्व की सादगी को निगल लिया है। यही पटाखे वायु प्रदूषण को भयावह स्तर तक पहुंचाने और पहले से बिगड़ती पर्यावरणीय स्थिति को बेहद विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। तेज रोशनी वाले और बारूद से लबालब पारंपरिक पटाखे पलभर में न केवल जान-माल का भारी नुकसान कर डालते हैं बल्कि वायु, ध्वनि और मिट्टी, तीनों को गहराई से प्रदूषित करते हैं। इन पटाखों में बेरियम, कॉपर, गंधक, सीसा जैसे रासायनिक तत्व होते हैं, जो फूटने के बाद 100 घंटे तक वातावरण में घुले रहते हैं। बेरियम रेडियोधर्मी और विषैला होता है, कॉपर के यौगिक कैंसर का खतरा बड़ाते हैं और गंधक श्वसन रोगों को जन्म देता है। पटाखों के धुएं में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीले गैसें होती हैं, जो फेफड़ों, दिल और आंखों पर सीधा प्रभाव डालती हैं। इनसे सिरदर्द, एलर्जी, खांसी, ब्रोंकाइटिस, न्यूमोनिया, अनिद्रा और यहां तक कि कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का खतरा बड़ जाता है। ध्वनि प्रदूषण का खतरा भी कम नहीं है। कई स्थानों पर पटाखों की आवाज 130 से 150 डेसीबल तक पहुंच जाती है, जो कानों के लिए खतरनाक है। इससे बहरेपन, तनाव, नींद की कमी और हृदय की धड़कनों में असामान्यता जैसे रोग तेजी से बड़ते हैं। मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षी और पालतू जानवर भी इस शोर और प्रदूषण से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। शोध बताते हैं कि पटाखों की तीव्र ध्वनि कुत्तों सहित अन्य जीवों की सुनने की क्षमता को स्थायी रूप से क्षति पहुंचा सकती है। वायु प्रदूषण का एक और गंभीर प्रभाव पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य पर देखा गया है। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण के कारण वीर्य में शुक्राणुओं की संख्या में 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे नपुंसकता का खतरा बड़ रहा है। देश में हर दसवां व्यक्ति अस्थमा का शिकार है और प्रदूषित हवा गर्भ में पल रहे बच्चों तक के लिए खतरा बन चुकी है। ऐसे में, जब पहले से ही पराली, औद्योगिक धुआं, टूटी-फूटी सड़कों की धूल और निर्माण कार्यों के कारण हवा जहरीली हो चुकी हो, तब एक रात की अंधाधुंध आतिशबाजी इस संकट को और भयावह बना देती है। सर्वोच्च न्यायालय ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता और पर्यावरण संरक्षण की अनिवार्यता को देखते हुए हरित पटाखों के इस्तेमाल तथा उनकी बिक्री को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छ हवा और प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का सामूहिक दायित्व है। न्यायालय ने हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देते हुए उनकी गुणवत्ता, प्रमाणन और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने पर जोर दिया है। अदालत ने अपने 29 अक्तूबर के आदेश में कुछ अतिरिक्त और कड़े प्रावधान लागू किए हैं, जिसके तहत दिल्ली-एनसीआर में केवल उन्हीं हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति दी गई है, जिन्हें वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान तथा पैट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन से वैध प्रमाणन प्राप्त है और जो संस्थान की अधिकृत सूची में शामिल हैं। प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद-विशिष्ट क्यूआर कोड अनिवार्य किया गया है, जिसके माध्यम से निर्माता, पंजीकरण, लाइसेंस और परीक्षण प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता जांची जा सकेगी। बेरियम युक्त पटाखों तथा लड़ियों और पटाखों की मालाओं के निर्माण एवं बिक्री पर भी रोक लगाई गई है। अवैध पटाखों की बिक्री अथवा आदेशों के उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द करने, पटाखे जब्त करने और दोषियों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों की जिम्मेदार भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के अनुसार केवल हरित पटाखों के उपयोग की ही अनुमति है लेकिन विडंबना यह है कि प्रतिबंधों और दिशा-निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए प्रदूषण फैलाने वाले पारंपरिक पटाखों की बिक्री बाजारों से लेकर गली-मोहल्लों तक धड़ल्ले से जारी रहती है। कानून और निर्णय केवल तभी सार्थक हैं, जब नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। भारत में पहले से ही वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना सुनिश्चित करने में प्रशासन की उदासीनता अक्सर नजर आती है। पर्यावरणीय मामलों में केवल न्यायपालिका नहीं, जनता की भूमिका भी निर्णायक है। जब लोग ही संवेदनशील नहीं होंगे तो अदालतें भी पर्यावरण को अकेले नहीं बचा सकती। हमें यह समझना होगा कि दीवाली की असली सुंदरता पटाखों के धमाके में नहीं बल्कि दीयों की उजली लौ में है। यह वह पर्व है, जो हमारे मन, घर और समाज को प्रकाशमान करता है, न कि उन्हें धुएं से ड़क देता है। दीवाली पर साफ-सफाई की परंपरा रही है पर अब वही दिन कचरे, बारूद और प्लास्टिक की परतों में बदल जाता है। यह कैसा उत्सव है, जो हमारी सांसों को छीन लेता है? अब वक्त आ गया है कि हम अपनी परंपराओं को आधुनिक विवेक से जोड़ें। यदि हमें पटाखों का उपयोग करना है तो केवल हरित पटाखों का सीमित और नियंत्रित उपयोग करें। दीयों से घर-आंगन जगमगाएं, एक-एक पौधा लगाएं, बच्चों को सिखाएं कि असली रोशनी वही है, जो टिकाऊ हो, जो जीवन दे, न कि जहर घोले। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर में मनाए जाने वाले एक त्योहार पर लोग आतिशबाजी करते हैं लेकिन उसी दिन हर परिवार एक पौधा भी लगाता है। यह एक छोटी-सी परंपरा है पर उसका पर्यावरणीय संदेश गहरा है। भारत भी ऐसी परंपराओं को अपना सकता है, जहां उत्सव और पर्यावरण दोनों का संतुलन बना रहे। आज जब दिल्ली और अन्य शहरों की हवा पहले से ही जहरीली हो चुकी है, हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक रात का यह जश्न हमारे भविष्य की कीमत पर नहीं होना चाहिए। हमें अपने बच्चों को वह दीपावली देनी है, जो केवल आंखों को नहीं, दिलों को भी रोशनी दे। दीवाली दीयों की हो, धमाकों की नहीं क्योंकि असली रोशनी वही है, जो प्रकाश के संग करुणा और जिम्मेदारी का संदेश फैलाए। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, रविवार 08 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर को पर्दे पर दुल्हन बनना पसंद, टीवी शो वसुधा के बारे में दी अपडेट



टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो वसुधा में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।

मौली तनुज प्रशांत की फिल्म डोंगा ना कोडुकु का टीजर जारी, कॉमेडी और क्राइम का मिलेगा तड़का

अभिनेता मौली तनुज प्रशांत की आगामी तेलुगु क्राइम-कॉमेडी फिल्म डोंगा ना कोडुकु के निर्माताओं ने बुधवार को इसका मजेदार टीजर जारी किया। श्रीनु कंबाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर दर्शकों को हंसी और मनोरंजन की भरपूर झलक देता है। कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर टीजर का लिंक साझा किया। निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, भद्रम, सावधान रहना भाई... डोंगा ना कोडुकु और उसका परिवार आ गया है। फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। डोंगा ना कोडुकु 13 नवंबर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीनु कंबाला ने किया है, जो इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी ईश्वर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बीटेक की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। उसके माता-पिता पैसों को बहुत महत्व देते हैं। उसकी जिंदगी में एक करीबी दोस्त और गर्लफ्रेंड भी है। हालांकि, ईश्वर अपनी अगली जिंदगी में इनमें से किसी को नहीं चाहता और उसकी इच्छा सिर्फ पैसा पाने की है।

कहानी में चोरी और अपराध के तत्वों की एंट्री के साथ घटनाक्रम दिलचस्प मोड़ लेता है। फिल्म में हास्य के साथ क्राइम का मेल देखने को मिलेगा। टीजर का अंत समुद्र तट पर ईश्वर और उसकी गर्लफ्रेंड के बीच खाने को लेकर होने वाली मजेदार नोकझोंक के साथ होता है। फिल्म लिटिल हार्ट्स में अपने अभिनय के लिए सराहना हासिल करने वाले मौली तनुज प्रशांत एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे। टीजर में पाउडर वाला दृश्य, जिंदगी को लेकर मौली के किरदार का मजेदार नजरिया और टिफिन से जुड़ा हास्यपूर्ण प्रसंग शामिल है। इन दृश्यों से फिल्म में कॉमेडी की भरपूर खुराक मिलने की उम्मीद दिखाई देती है। फिल्म में सुष्मिता शेट्टी मौली की मासूम गर्लफ्रेंड की भूमिका में नजर आएंगी।

बचपन में सीता का किरदार निभाया करती थीं हर्षिता गौर



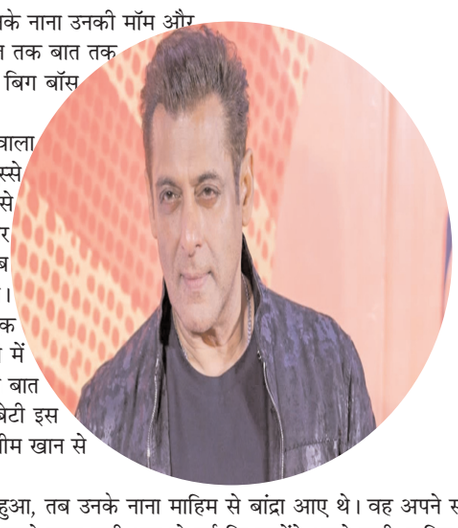
सीरीज मिर्जापुर की अभिनेत्री हर्षिता गौर ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए दशहरे के त्योहार से जुड़ी खूबसूरत यादें साझा की हैं। सीरीज में डिम्पी पंडित और सड्डु हक में संयुक्ता के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली हर्षिता गौर ने बताया कि दिल्ली में दशहरा एक खास रौनक लेकर आता था, और वह बचपन में स्कूल व सोसायटी के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं।

यह त्योहार उनके परिवार और शहर के उत्साह का प्रतीक था, और रावण दहन के बड़े-बड़े पुतले उनकी यादों का एक अविस्मरणीय हिस्सा रहे हैं। हर्षिता गौर ने कहा, दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग रौनक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। उन्होंने रावण के विशाल पुतलों को लेकर बचपन में होने वाले उत्साह और त्योहार के दौरान पूरे शहर में नजर आने वाले जश्न का जिक्र किया। अभिनेत्री ने अपनी उन यादों को भी साझा किया जब वह दशहरे पर स्कूल या अपनी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाती थीं। उन्होंने कहा कि वे यादें आज भी उनके साथ हैं, और परिवार के साथ बाहर जाकर जश्न का हिस्सा बनना तथा सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों ने दशहरे को उनके लिए खास बनाया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महसूस किया कि कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं।

हर्षिता ने कहा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हीं छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, हर्षिता गौर हाल ही में मिर्जापुर- द मूवी में नजर आई थीं। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म मिर्जापुर की दुनिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, हर्षिता ओटीटी पर क्राइम ड्रामा सीरीज वेटिंग है में भी नजर आई थीं, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया था।

इस सीरीज में दिव्येंदु, भुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर जैसे कलाकार भी शामिल थे।

^नाना ने 5 साल तक नहीं की थी ^पिता जी से बातः सलमान खान



हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान ने खुलासा किया कि उनके नाना उनकी मॉम और डैड की शादी के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने पापा सलीम खान से पूरे पाँच साल तक बात तक नहीं की थी। सलमान ने यह चौंकाने वाला किस्सा किसी और जगह नहीं, बल्कि बिग बॉस 20 के मंच पर वीकेंड के वार के दौरान सबके सामने रखा।

इतना ही नहीं, एक्टर ने अपने माता-पिता की लड़ाई को लेकर भी हैरान करने वाला खुलासा किया, जब सलमान की मां, सलमा खान, सलीम खान संग बहस करके गुस्से में घर छोड़कर अपने मायके चली गई थीं। बिग बॉस 20 के स्टेज पर कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए सलमान खान ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा यह पुराना और दिलचस्प राज खोला। उन्होंने बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे गुड लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी।

एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांद्रा आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा। वहीं, सलमान ने ये भी बताया कि एक बार जब डैड और मॉम की एक लड़ाई हुई तो मॉम गुस्से में मायके चली गईं, लेकिन उनके नाना ने फिर उनकी मां को कहा कि वह जब चाहें घर आ सकती हैं, लेकिन लड़ाई के बाद कभी नहीं। सलमान ने अपने नाना के शब्दों को दोहराते हुए कहा, उन्होंने कहा कि तुम कभी भी घर आ सकती हो, लेकिन झगड़ा करके तुम नहीं आओगी। यह एक ऐसी सीख थी जो सलमा खान के जीवन में हमेशा रही। सलीम खान और सलमा की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

बिग बॉस 20 के सफर पर बोले अमन गांधी, कहा- मैं खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाया



हाल ही में रियलिटी शो बिग बॉस 20 से बाहर हुए टेलीविजन अभिनेता अमन गांधी ने शो में अपने सफर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि वह शो के दौरान खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाए। अमन ने कहा कि जो लोग उन्हें अच्छी तरह जानते हैं, उन्हें भी लगा कि घर के अंदर उनका असली व्यक्तित्व देखने को नहीं मिला। अभिनेता ने यह भी माना कि बिग बॉस के घर में रहते हुए वह खुद से बार-बार यही सवाल करते थे कि आखिर वह वैसे क्यों नहीं रह पा रहे हैं, जैसे आमतौर पर रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाया। मैं खुद को जितना जानता हूं और लोग मुझे जितना जानते हैं, सभी का यही कहना था कि कहीं न कहीं अमन गायब था। यानी घर में असली अमन दिखाई नहीं दे रहा था। मैं भी अंदर बैठकर सोचता था कि लोग तुम्हें जिस वजह से पसंद करते हैं, तुम वैसा क्यों नहीं कर पा रहे हो। मुझे लगता है कि बहुत ज्यादा दबाव, थोड़ी नकारात्मकता और कई चीजों का मिला-जुला असर दिमाग पर हावी हो जाता है। अंदर बहुत कुछ चल रहा था और मैं खुद को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाया।अमन गांधी शो में केवल पांच सप्ताह का सफर तय कर सके। उन्हें अन्य नामित प्रतियोगियों की तुलना में कम वोट मिले, जिसके कारण उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। लगातार दूसरे सप्ताह वह बॉटम में रहे थे। उनके साथ मैरी कॉम और उदिति सिंह भी बॉटम-थ्री में शामिल थीं।इस सीजन में एक लाइफलाइन सिस्टम भी शुरू किया गया था, जिसके तहत हर प्रतियोगी को एलिमिनेशन से बचने के लिए दो अतिरिक्त मौके दिए गए थे, हालांकि अमन पहले ही एक वोटिंग राउंड में अपनी पहली लाइफलाइन गंवा चुके थे।

शो के दौरान वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल ढुल ने अमन के यौन अनुभवों को लेकर कुछ टिप्पणियां की थीं, जिससे अभिनेता असहज महसूस करने लगे थे, हालांकि अमन ने उस समय सीधे तौर पर नकुल का सामना नहीं किया, लेकिन बाद में उन्होंने इस बारे में अन्य घरवालों से चर्चा की।

कुछ प्रतियोगियों ने अमन से यह सवाल भी किया था कि उन्होंने उसी समय नकुल की टिप्पणी का विरोध क्यों नहीं किया।

छोटी बेटी देवी के साथ दीपिका-रणवीर का रॉयल डेब्यू

बॉलीवुड के पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने हाल ही में अपनी छोटी बेटी देवी के साथ पहली फैमिली फोटो साझा कर फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया। मसानवमी और दशहरा के शुभ मौके पर साझा की गई तस्वीर में उनकी बड़ी बेटी दुआ भी नज़र आईं, साथ ही उन्होंने अपनी नवजात बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह घोषित किया। इस ख़ास मौके पर पूरा परिवार हाउस ऑफ़ मसाबा के डिज़ाइन किए गए मैचिंग एथनिक आउटफिट्स में नज़र आया। आइवरी, पीच और गोल्डन शेड्स में सजे इन परिधानों ने तस्वीर को और भी मनमोहक बना दिया।

फैमिली फोटो में सबसे ज़्यादा ध्यान दीपिका पादुकोण का रॉयल लुक खींच रहा था। उन्होंने नूर बन गए नामक आइवरी रंग का कुर्ता सेट पहना था, जिसकी कीमत 90,000 है। इस कुर्ते को बारीक़ गोल्डन ज़री और ज़रदोज़ी की कढ़ाई से सजाया गया था, जबकि पीच कलर का पैचवर्क और क्रश्ड टिश्यू फैब्रिक का दुपट्टा उनके लुक में चार चांद लगा रहा था। दीपिका ने चटख रंगों के बजाय हल्के और सॉफ्ट शेड्स चुने थे, जो उनके फेस्टिव लुक को एक क्लासी अंदाज़ दे रहे थे।रणवीर ने भी आइवरी सिल्क का क्लासी कुर्ता सेट पहनकर दीपिका के लुक से तालमेल बिठाया, जो उनके क्रीम और पीच रंग के आउटफिट्स के साथ खूबसूरती से मेल खा रहा था। उनकी बड़ी बेटी दुआ पीच कलर के टिश्यू और सिल्क कुर्ता सेट में बेहद प्यारी लग रही थीं, जो हाउस ऑफ मसाबा का ही था। तस्वीर में वह अपनी छोटी बहन देवी को प्यार से चूमती दिख रही थीं।

निजी दर्द को शब्दों में पिरोकर कादर खान ने लिखा था मुकद्दर का सिकंदर का यादगार सीन, अमिताभ बच्चन हो गए थे भावुक



बॉलीवुड अभिनेता कादर खान ने अपने करियर में कभी विलेन बनकर दर्शकों को डराया, तो कभी कॉमेडी से हंसाया। वहीं अपनी लेखनी से अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार के किरदारों को खास पहचान भी दी लेकिन फिल्मों में आने से पहले कादर खान की जिंदगी बिल्कुल अलग थी। वह सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर थे और पढ़ाने के साथ थिएटर में भी एक्टिव रहते थे। फिर उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित डायलॉग राइटर्स में शामिल कर दिया। कादर खान के लिखे डायलॉग्स की ताकत का एक बड़ा उदाहरण 1978 में रिलीज हुई फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का 16 पन्नों वाला सीन है। कादर खान ने इस सीन में अपने जीवन के अनुभवों को उतार दिया था। जब उन्होंने अमिताभ बच्चन को इसे सुनाया तो बिग बी इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। कादर खान का जन्म 1937 में काबुल में हुआ था। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उन्होंने मुश्किल हालात में अपना बचपन बिताया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई के एमएच साबू सिद्दीक पॉलिटेक्निक में लेक्चरर रहे और उन्हें बेस्ट टीचर का अवॉर्ड भी मिला लेकिन पढ़ाने के साथ-साथ एक्टिंग और डायलॉग लिखने का शौक उनके भीतर बना रहा। वह थिएटर में हिस्सा लेते थे और स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाते थे। इसी दौरान एक नाटक में उनके काम ने लोगों का ध्यान खींचा और उन्हें फिल्मों के लिए डायलॉग लिखने का मौका मिला।

कादर खान ने 1970 के दशक की शुरुआत में फिल्मों के लिए डायलॉग लिखना शुरू किया। 1972 में आई फिल्म जवानी दीवानी को उनके शुरुआती फिल्मी लेखन के अहम पड़ाव के तौर पर याद किया जाता है। इसके बाद राजेश खन्ना की फिल्म रोटी ने उनके करियर को नई पहचान दी। मनमोहन देसाई और प्रकाश मेहरा जैसे डायरेक्टर्स के साथ उनके काम ने उन्हें इंडस्ट्री में मजबूत जगह दिलाई। उन्होंने अमर अकबर एंथनी, परवरिश, मुकद्दर का सिकंदर, लावारिस, नसीब और कुली जैसी फिल्मों के लिए डायलॉग लिखे। उनकी खासियत यह थी कि वह किरदार के हिसाब से भाषा और अंदाज बदल लेते थे। उनके डायलॉग में कहीं इमोशन था, कहीं गुस्सा और कहीं ऐसा मजाक, जो सीधे दर्शकों से जुड़ जाता था।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्त नमक, जानिए इसके फायदे



हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है। विश्व आयोडीन अल्पता दिवस पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, आयोडीन बच्चों के मस्तिष्क के विकास, सीखने-समझने की क्षमता और सामान्य शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी है। खासकर गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस समय बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है। इसलिए हर उम्र के व्यक्ति के लिए आयोडीन की जरूरत को समझना जरूरी है।

शरीर में लंबे समय तक आयोडीन की कमी रहने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ सकती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। बच्चों में आयोडीन की कमी मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है। इससे सीखने और समझने में परेशानी होने के साथ-साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।

वहीं, गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने पर गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आयोडीन की कमी को हल्के में लेना सही नहीं है। आयोडीन की कमी से बचने का एक आसान तरीका है रोजाना खाने में आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करना। यह शरीर में आयोडीन की जरूरत पूरी करने में मदद करता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नमक ज्यादा खाया जाए। अधिक नमक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नमक का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय की मानें तो दूध और दही, दालें, कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां, आलू और बीज जैसे तिल, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज में भी कुछ मात्रा में आयोडीन पाया जाता है।

अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, तू कब आएगा?





दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है। अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज् कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है।अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

चीन में अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो का मकसद घरेलू बाजार को दुनिया के लिए खोलना

बीजिंग। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और व्यापारिक संगठनों की नजरें एक बार फिर चीन के शांगहाई शहर पर टिकी हैं। 5 से 10 नवंबर तक यहां नौवें चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो का आयोजन होने जा रहा है। यह दुनिया का पहला राष्ट्रीय स्तर का ऐसा एक्सपो है, जो विशेष रूप से आयात पर केंद्रित है। 2018 में शुरू हुए इस आयोजन का उद्देश्य चीन के विशाल घरेलू बाजार को दुनिया के लिए खोलना, विदेशी उत्पादों के आयात को प्रोत्साहित करना और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हर साल आयोजित होने वाला सीआईआईई अब वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के बाजार में अपनी संभावनाएं तलाशने का एक अहम मंच बन चुका है। इस साल के



एक्सपो में 162 देशों, क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी होगी। 4,142 विदेशी कंपनियां इसमें हिस्सा लेंगी, जबकि प्रदर्शनी का कुल क्षेत्रफल 4.40 लाख वर्ग मीटर से ज्यादा होगा। 480 से ज्यादा नए उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं की पहली प्रस्तुति भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। एक्सपो के बिजनेस एग्जिबिशन को छह प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया है। इनमें तकनीकी उपकरण और बुद्धिमान उद्योग, उपभोक्ता उत्पाद, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य उत्पाद और सेवा व्यापार शामिल हैं। इसके अलावा स्टार्टअप और उभरती कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए इनोवेशन इनक्यूबेशन जोन भी बनाया गया है। भारत के नजरिए से भी यह आयोजन अहम है। भारत और चीन एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं और वैश्विक व्यापार में दोनों की अहम भूमिका है। भारतीय कृषि एवं खाद्य उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, दवाओं, कपड़ा उद्योग और सेवा क्षेत्र के लिए चीन का विशाल बाजार संभावनाएं रखता है। सीआईआईई भारतीय कंपनियों को चीनी उपभोक्ताओं की पसंद समझने, संभावित व्यापारिक साझेदारों से संपर्क स्थापित करने और बाजार की नई जरूरतों को जानने का अवसर दे सकता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत और चीन के लिए सहयोग की कौन-सी नई संभावनाएं उभरती हैं। 2018 में शुरू हुआ सीआईआईई अब अपने नौवें संस्करण तक पहुंच चुका है। बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और नए उत्पादों और तकनीकों की प्रस्तुति इसके लगातार विस्तार को दर्शाती है। सीआईआईई की अहमियत केवल इसमें शामिल होने वाले देशों और कंपनियों की संख्या तक सीमित नहीं है। यह दुनिया के उत्पादकों, उपभोक्ताओं और बाजारों को जोड़ने के साथ वैश्विक व्यापार की बदलती दिशा को समझने का अवसर प्रदान करता है।

संक्षिप्त समाचार

पाक सेना ने प्रदर्शनकारियों पर की फायरिंग दो की मौत, दो दिन में 9 की गई जान

रावलकोट। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट में पाकिस्तानी सेना ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई। पिछले दो दिनों में पाकिस्तानी सेना की तरफ से की गई फायरिंग में अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है। इससे पहले गुरुवार को भी 7 प्रदर्शनकारी मारे गए थे। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने लगातार दो दिनों तक मटियालमेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट में चल रहे धरनों पर कार्रवाई की। आरोप है कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए। इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। पीओके में 7 जून से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार और शुक्रवार की घटना के बाद इस आंदोलन में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 155 हो गई। आंदोलन की शुरुआत लोगों के राजनीतिक अधिकारों और आर्थिक समस्याओं को लेकर हुई थी। अब प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की वापसी और अपने नेताओं पर दर्ज मामलों को खत्म करने की मांग भी कर रहे हैं।

बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर की पेंटिंग पर पोती काली स्याही

ढाका। बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर को निशाना बनने का मामला सामने आया है। खुलना शहर में रेलवे स्टेशन की बाहरी दीवार पर बनी उनकी पेंटिंग पर अज्ञात लोगों ने काली स्याही पोत दी। इसके साथ ही पेंटिंग के पास दो आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए, जिसमें लिखा था कि तितुमीर के बंगाल में टैगोर के लिए कोई जगह नहीं है। घटना के बाद लोकल सांस्कृतिक संगठनों और कला प्रेमियों ने नाराजगी जाहिर की है। रिपोर्टों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह लोगों ने टैगोर की पेंटिंग को खराब हालत में देखा। यह म्यूरल खुलना रेलवे स्टेशन की बाहरी दीवार पर बनाया गया है। इस दीवार पर साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़ी कई अन्य प्रमुख हस्तियों की तस्वीरें भी मौजूद हैं। इनमें काजी नजरुल इस्लाम, फकीर लालन शाह, चित्रकार एसएम सुल्तान, माइकल मधुसूदन दत्ता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की तस्वीरें शामिल हैं। हालांकि, इन तस्वीरों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया गया। खुलना सिटी कॉरपोरेशन ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शहर दौरे से पहले दीवार पर कलाकृतियां बनवाई थीं। खुलना सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी लोकमान हुसैन ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार दोपहर घटना की सूचना मिली। इसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि पेंटिंग को किसने और कब नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद खुलना सिटी कॉरपोरेशन के प्रशासक नजरुल इस्लाम मंजू ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इन कलाकृतियों का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में रचनात्मकता तथा स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहित करना था। वहीं, सांस्कृतिक कार्यकर्ता शरीफुल इस्लाम सलीम ने घटना को किसी संगठित समूह की करतूत बताया। उन्होंने दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गौरतलब है कि अक्टूबर में ढाका में भी टैगोर की पेंटिंग को नुकसान पहुंचाया गया था। उस मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने बांग्लादेश में सांस्कृतिक विरासत और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

न्यूजीलैंड में आम चुनाव, पीएम लक्सन के सामने सत्ता बचाने की चुनौती

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में आम चुनाव के लिए शनिवार को मतदान जारी है। पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। चुनाव से पहले सर्वे में उनकी नेशनल पार्टी को बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और कमजोर अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी है। पीएम लक्सन की पार्टी का मुख्य मुकाबला विपक्षी लेबर पार्टी से है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ती महंगाई और कमजोर अर्थव्यवस्था चुनाव के सबसे बड़े मुद्दे हैं। न्यूजीलैंड की संसद में आमतौर पर 120 सीटें हैं और बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत होती है। दोनों प्रमुख दलों को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना कम है। ऐसे में छोटी पार्टियां तय कर सकती हैं कि अगली सरकार किसकी बनेगी। न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन दूसरी बार सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने 2023 के चुनाव में सेंटर-राइट नेशनल पार्टी को जीत दिलाई थी। इससे देश में 6 साल से चल रही लेबर पार्टी की सरकार खत्म हो गई थी। हालांकि, पीएम बनने के बाद से ही उन्हें राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस साल अप्रैल और अगस्त में उनकी अपनी पार्टी के सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए और उन्हें हटाने की कोशिश की थी। दोनों बार लक्सन अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रहे। अगस्त में हुई दूसरी कोशिश के पीछे रक्षा मंत्री का हाथ होने की खबरें भी आई थीं। उनकी सरकार को अर्थव्यवस्था में धीमी सुधार और गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच मतभेदों को लेकर भी आलोचना झेलनी पड़ी है। विपक्षी लेबर पार्टी के नेता क्रिस हिपकिंस फिर से पीएम बनना चाहते हैं। 2023 के चुनाव में उनकी पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। बता दें हिपकिंस पहली बार 2008 में सांसद बने थे। जनवरी 2023 में जैसिंडा अर्डर्न के पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली थी। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ नौ महीने चला। अक्टूबर 2023 के चुनाव में लक्सन की नेशनल पार्टी के गठबंधन ने जीत हासिल की और लेबर पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। हार के बाद भी हिपकिंस पार्टी के नेता बने रहे। इस बार वे महंगाई से राहत देने और सरकारी सेवाओं को बेहतर बनाने का वादा कर रहे हैं।

बांग्लादेश में रहमान सरकार पर मंडराया तख्तापलट का खतरा?

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति में फिर उथल-पुथल के संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार के सामने मजदूरों के हिंसक आंदोलन और कथित सत्ता परिवर्तन की आशंकाओं ने नई चुनौती खड़ी कर दी है। राजधानी ढाका में लगातार हो रही उच्चस्तरीय बैठकों और विदेशी राजदूतों से संसद अध्यक्ष की मुलाकातों ने राजनीतिक चर्चाओं को तेज किया है। इसी बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अगले महीने बांग्लादेश लौटने का ऐलान कर रहमान सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश की संसद के स्पीकर मेजर (रिटायर्ड) हफीज उद्दीन अहमद ने पिछले दिनों कई देशों के राजनयिकों से मुलाकात की। एक नवंबर को उन्होंने पाकिस्तान के उच्चायुक्त इमरान हैदर के साथ करीब एक घंटे तक बातचीत की। इसी दिन नॉर्वे के राजदूत गुलब्रांडसेन से भी उनकी मुलाकात हुई। इसके बाद तीन नवंबर को यूरोपीय संघ के राजदूत माइकल मिलर के साथ करीब 40 मिनट तक बैठक चली। इन मुलाकातों के समय और राजनीतिक परिस्थितियों को देखकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच देश में मजदूरों का आंदोलन भी सरकार के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। बीते एक सप्ताह से जारी प्रदर्शन कई जगह हिंसक हो गए थे। पुलिस कार्रवाई में एक मजदूर की मौत की भी खबर है। हालांकि, सरकार की ओर से नए वेतन बोर्ड के गठन के बाद कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्रियां दोबारा खुलने लगी हैं। इसके बावजूद संवेदनशील इलाकों में पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती बरकरार है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी ने सरकार को संभावित सत्ता परिवर्तन की कोशिशों को लेकर आगाह किया है। रिपोर्ट में सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के भीतर दो गुटों के बीच मतभेदों का उल्लेख किया गया है।



फ्रांस में स्कूल बस हादसे के बाद फ्रेंच जेंडरमेस और राहतकर्मी बचाव के काम में लग गये।

मिडटर्म चुनावों में हार के बाद भी नहीं बदले ट्रंप के तेवर, रिजोल्यूट डेस्क पर रखी लाल टोपी

कहा- यदि डेमोक्रेट्स कोई बेतुका सा फैसला करेंगे तो वह उन पर वीटो लगा देंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मध्यावधि चुनावों में बड़ा झटका लगा है, लेकिन इसके बावजूद उनके तेवर में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने ओवल ऑफिस में अपनी रिजोल्यूट डेस्क पर एक बड़ी लाल टोपी रखी, जिस पर वीटो लिखा था। यह टोपी तब सामने आई, जब ट्रंप पत्रकारों से बात कर रहे थे और एक आदेश पर हस्ताक्षर कर रहे थे। ओवल ऑफिस में ब्रीफिंग के दौरान डेस्क पर लाल टोपी रखने का मतलब है कि ट्रंप डेमोक्रेट्स के विधायी एजेंडे का मुकाबला करने के लिए अपने संवैधानिक वीटो अधिकारों का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों में जीत के बाद, डेमोक्रेट्स पार्टी के पास अब प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में ज्यादा शक्तियां आ गई हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर भी एक लाल बेसबॉल टोपी की तस्वीर साझा की थी, जिस पर वीटो लिखा था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का वीटो अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति के पास मौजूद सबसे शक्तिशाली अधिकारों में से एक है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि डेमोक्रेट्स कोई बेतुका सा फैसला करेंगे तो वह उन पर वीटो लगा देंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेट्स की जीत ने अमेरिका में सत्ता के संतुलन को काफी बदल दिया गया है। उम्मीद है कि कांग्रेस अब जांच, सुनवाई और समन के जरिए ट्रंप प्रशासन की कड़ी निगरानी करेगी। साथ ही डेमोक्रेट्स उनके न्यायिक और कैबिनेट नामांकनों को रोकने की कोशिश भी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य रो खन्ना ने चुनावी नतीजों को ट्रंप के खिलाफ एक बड़ा जनादेश बताया है। उन्होंने अनुमान जताया कि डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा में एक बड़ा बहुमत हासिल कर सकते हैं, जो 2008 में ओबामा के समय जैसा हो सकता है। खन्ना ने कहा कि मतदाता मुख्य रूप से बढ़ते खर्च और जारी युद्ध को लेकर चिंतित हैं।

इजराइल में नए प्रधानमंत्री का ऐलान आज

तेल अवीव। इजराइल में अगला प्रधानमंत्री कौन होगा इसका ऐलान राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को करेंगे। सरकार बनाने के लिए 61 सासंदों का समर्थन चाहिए। गादी आइजनकोट के गठबंधन को 6 पार्टियों के 67 सांसदों ने समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास मात्र 46 सांसदों का समर्थन है। इस कारण माना जा रहा है कि राष्ट्रपति उन्हें सरकार बनाने का पहला मौका नहीं देंगे। इजराइल में अब तक किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। यही वजह है कि यहां हमेशा गठबंधन की सरकारें बनती रही हैं। राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि पहली नजर में सांसदों की राय साफ दिखाई देती है, लेकिन अलग-अलग राजनीतिक गुटों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं है। उनके मुताबिक पार्टियों के बीच एक-दूसरे को लेकर आपत्तियां भी हैं। इसलिए सिर्फ सांसदों की सिफारिश के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कौन सरकार बना पाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि वह कुछ पार्टी नेताओं से अलग से बातचीत करेंगे, ताकि सरकार बनाने की संभावनाएं साफ हो सकें। छह पार्टियों ने आइजनकोट का नाम सुझाया आइजनकोट को छह पार्टियों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है।

इजराइल में नए प्रधानमंत्री के नाम का आज होगा ऐलान

तेलअवीव। इजराइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान करने वाले है। इजराइल सरकार बनाने की प्रक्रिया में गादी आइजनकोट का नाम प्रमुखता से सामने आया है। उन्हें छह राजनीतिक दलों के कुल 67 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। इजराइल की संसद में बहुमत के लिए 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। इसके बाद आइजनकोट के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इजराइल की 120 सदस्यीय संसद नेसेट में सरकार बनाने के लिए करीब 61 सांसदों का समर्थन हासिल करना अनिवार्य है।

सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रुख, शाहबाज के मंत्री फिर देने लगे गीदड़ भभकी

इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले से पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संकेत दिए हैं कि इस मुद्दे पर इस्लामाबाद विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के कदमों को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर शाहबाज सरकार के उच्च स्तर पर आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अगले दिन भारत की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने का फैसला किया था। भारत ने दो टूक कहा था कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और स्थायी रूप से समर्थन देना बंद नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी आपत्ति दर्ज करा रहा है। इस्लामाबाद का तर्क है कि संधि में किसी एक देश को एकतरफा तरीके से स्थगित करने या समाप्त करने का अधिकार नहीं दिया गया है। पाकिस्तान का कहना है कि सिंधु नदी प्रणाली उसके कृषि क्षेत्र, पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसके बाद संधि को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता उसकी अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती है। इस विवाद ने अंतरराष्ट्रीय कानूनी मंचों पर भी दस्तक दी है। हेग स्थित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने संधि को लागू मानकर भारत के फैसले पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, भारत ने इस न्यायाधिकरण के अधिकार क्षेत्र को मान्यता देने से इंकार कर उसके फैसलों को अस्वीकार किया है। भारत का कहना है कि आतंकवाद और सामान्य द्विपक्षीय संबंध एक साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

लॉरेंस गैंग से जुड़ा गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ाया

वॉशिंगटन। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी आईसीई ने उसे कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया है। हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है। इससे पहले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। ये दोनों भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं। हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें अभिनेता रणवीर सिंह भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा, पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी धमकी मिलने का मामला सामने आया था। एक वायरल कथित ऑडियो में सलमान खान से नजदीकियों के चलते गुरु के दिल्ली स्थित जिम पर फायरिंग कराने का दावा किया गया था।

ट्रंप ने ईरान पर हमले के दिए संकेत, डेमोक्रेट्स युद्ध खत्म करने कराएगा वोटिंग!





डेमोक्रेट्स अगली कांग्रेस के लिए अपनी विदेश नीति का एजेंडा कर रहे तैयार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने का संकेत दिया है। हालांकि, उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया है। इसी बीच हाउस के वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने युद्ध को खत्म करने के लिए वोटिंग की योजना बनाई है। वे इस युद्ध के उद्देश्यों और इसमें होने वाले खर्च के बारे में जवाब मांग रहे हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर संभव हो तो मैं बाकी देश को बर्बाद नहीं करना चाहूंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करना पड़े। आपको जल्द ही पता चल जाएगा। उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया और न ही किसी नए हमले का आदेश देने की घोषणा की। इससे पहले डेमोक्रेट्स अगली कांग्रेस के लिए अपनी विदेश नीति का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाने का वादा किया, जबकि डेमोक्रेटिक व्हिप कैथरीन क्लार्क ने युद्ध के लक्ष्यों और इससे बाहर निकलने की रणनीति पर सवाल उठाए। इन बयानों ने ट्रंप की ईरान नीति के खिलाफ कांग्रेस में मौजूद विरोध को दर्शाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट, ग्रेगरी मीक्स ने एक पत्र लिखकर अपने सहयोगियों से कमेटी का अध्यक्ष बनने के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने लिखा कि कानूनी मोर्चे पर मैं राष्ट्रपति के ईरान के साथ युद्ध को तुरंत खत्म करने के लिए प्रस्ताव लाऊंगा। साथ ही अमेरिकी विदेश नीति तय करने में कांग्रेस की जो उचित भूमिका है, उसे वापस बहाल करने को प्राथमिकता दूंगा। पत्र में यह भी प्रस्ताव दिया गया है कि ईरान युद्ध, वेनेजुएला, और सैन्य कार्रवाई व व्यापार पर कांग्रेस के अधिकार से जुड़े विवादों को लेकर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से गवाही मांगी जाए। मीक्स अपनी विधायी और निगरानी संबंधी योजनाओं के बारे में बता रहे थे। पत्र में वोटिंग के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है और न ही इस वादे को लागू करने वाला कोई नया प्रस्ताव पेश किया है। इससे पहले कैथरीन क्लार्क ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट्स प्रशासन पर इस संघर्ष के लिए लगातार फंडिंग जारी रखने और अमेरिकी सैनिकों को सुरक्षित घर वापस लाने की योजना के बारे में सवाल उठाएंगे। क्लार्क ने राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया कि वे देश को एक ऐसे लापरवाह युद्ध में धकेल रहे हैं, जिसकी न तो कोई एग्जिट स्ट्रेटेजी है और न ही कोई स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष की वजह से घरेलू ईंधन की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम में ट्रंप ने सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि आगे क्या करना है, इस पर फैसला लिया जाएगा।

हार के बाद ट्रम्प ने सबसे करीबी सलाहकार को निकाला

वॉशिंगटन। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने सूसी वाइल्स को चीफ ऑफ स्टाफ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वाइल्स ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ बनने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। चीफ ऑफ स्टाफ राष्ट्रपति के सबसे करीबी अधिकारियों में शामिल होता है। वह व्हाइट हाउस के कामकाज और राष्ट्रपति तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों के बीच तालमेल बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालता है। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रम्प वाइल्स और अपने दूसरे राजनीतिक सलाहकारों से नाराज थे। चुनाव के नतीजे आने के दौरान उन्होंने वाइल्स की आलोचना की थी। ट्रम्प को लगता था कि उनके प्रशासन से जुड़ी गोपनीय जानकारियां बाहर जा रही हैं। उन्हें यह भी शिकायत थी कि उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में तेजी नहीं आ रही।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, रविवार 08 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सैंडपेपर मामले में तीन खिलाड़ी नहीं पूरी टीम शामिल थी : ख्वाजा



सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने एक अहम खुलासा करते हुए कहा है कि सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़) कांड की जानकारी सभी को थी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी दावा किया है कि पहले भी इस प्रकार गेंद से छेड़छाड़ के मामले होती रही थी। उन्होंने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ केवल केपटाउन टेस्ट में ही नहीं, बल्कि उससे पहले पोर्ट एलिजाबेथ में भी की गयी थी। इस मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उप-कप्तान डेविड वार्नर और साथी बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ख्वाजा ने कहा, यह मामला हम सबसे कारण हुआ। इसमें सभी शामिल थे। उन्होंने कहा कि कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट के दौरान ही पता चला कि सैंडपेपर से गेंद को खराब किया जा सकता है। ख्वाजा के अनुसार, उस समय कप्तान रहे स्मिथ ने हवा में हाथ उठाते हुए कहा था कि वह इस बारे में कुछ जानना नहीं चाहते। तीसरे टेस्ट में कैमरे में बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए साफ देखा गया, जिसके बाद यह मामला सामने आया। ख्वाजा इस बात से भी हैरान हैं कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच के दौरान उनसे कोई सबूत नहीं मांगा गया था।

ख्वाजा ने इस बात पर भी हैरान जतायी कि सिर्फ तीन बल्लेबाजों को सजा मिली, जबकि गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नेथन लियॉन और जोश हेजलवुड से यह सवाल तक क्यों नहीं पूछा गया कि गेंद की स्थिति में बदलाव होने पर उन्होंने अंपायरों को जानकारीक्यों नहीं दी थी। वहीं इस मामले में जब बैनक्रॉफ्ट से पूछा गया कि क्या गेंदबाजों को पता था, तो उन्होंने जवाब दिया था, यह शायद उन्हें स्वयं ही समझ में आ गया होगा।

वहीं कुछ दिनों बाद ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एक साझा बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें न्यूलैंड्स में बड़ी स्क्रीन पर तस्वीरें देखने से पहले तक यह पता नहीं था कि गेंद का आकार बदलने के लिए मैदान पर कोई बाहरी चीज लाई गई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि उस मैच के दौरान अंपायरों ने गेंद की जांच की थी और उसमें उन्हें नुकसान नहीं दिखा था। इसी कारण गेंद को नहीं बदला गया था।

वहीं हाल ही में हुई दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने ख्वाजा की किताब में आयी बातों को लेकर कहा कि सैंडपेपरगेट मामला समाप्त हो गया है। इसलिए उन्हें कोई डर नहीं है। वहीं

यशस्वी ने न्यूज़ीलैंड ए के खिलाफ शानदार शतक लगाया

आकलैंड । युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार शतक लगाया है। यशस्वी का ये लगातार दूसरा शतक हैं। इससे पहले दूसरे टेस्ट में भी उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले यशस्वी ने अपने इस शानदार प्रदर्शन से टीम प्रबंधन को भी राहत दी है। इस युवा बल्लेबाज ने तीसरे टेस्ट पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 127 गेंदों में ही शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में उन्होंने कुल 138 गेंदों पर 102 रन बनाए। अपनी इस पारी में यशस्वी ने 16 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 175 रनों की मजबूत साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। यशस्वी के लिए ये प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी। पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में वे दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 22 रन ही बना पाए थे, जबकि दूसरे मैच की पहली पारी में वे शून्य पर ही आउट हो गये थे। यशस्वी ने इसके बाद अपनी लय पकड़ी और दूसरे मैच की दूसरी पारी में नाबाद 155 रनों की शानदार पारी खेली। अब तीसरे टेस्ट में भी शतक जड़कर उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखायी है। इससे टेस्ट सीरीज के लिए भी उनका मनोबल बढ़ा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी20 और पांच एकदिवसीय मैचों के अलावा दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा, और इसके बाद दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा है। ऐसे में उनका लय हासिल करना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। विशेष रुप से विदेशी पिचों पर जहां उनकी आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी टीम को मजबूत शुरुआत दे सकती है।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पेरा टेबल टेनिस दल को किया सम्मानित

इंदौर। जापान के आइची-नागोया में आयोजित पांचवें एशियाई पेरा गेम्स में भारतीय पेरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के सात कांस्य पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में इंदौर के प्रशिक्षक जयेश आचार्य भी शामिल रहे। मध्य प्रदेश पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सोनी और महासचिव प्रमोद गंगराड़े ने बताया कि एशियाई पेरा गेम्स में भारत 114 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। पेरा टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने सात कांस्य पदक हासिल किए। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी मौजूद थीं। प्रधानमंत्री ने भाविना पटेल, जेडी मदन और सोनल पटेल सहित सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा की। टीम के प्रशिक्षक ललन दोषी को भी सम्मानित किया गया। जयेश आचार्य ने सम्मान के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिला है। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के चेयरमैन ओम सोनी, नरेंद्र कौशिक, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य, प्रमोद गंगराड़े, नीलेश वेद, गौरव पटेल और अमित कोटिया ने जयेश आचार्य की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

शुभमन पहली बार एकदिवसीय में गोल्डन डक हुए

वैलिंग्टन। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। शुभमन को तेज गेंदबाज जैकब डफी ने अपना शिकार बनाया। इस प्रकार वह गोल्डन डक हुए। जब कोई खिलाड़ी अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बगैर रन बनाए आउट होता है तो उसे गोल्डन डक कहा जाता है। शुभमन अपने एकदिवसीय करियर में 72वें मैच में पहली बार गोल्डन डक हुए हैं। गिल अपने एकदिवयीय करियर में दूसरी बार शून्य पर आउट हुए हैं। वह साल 2023 में में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसय मैच में शून्य पर पवेलियन लौट थे पर अब उन्होंने दो गेंदें खेलीं थी। यह मैच विशाखापट्टनम में हुआ था। गिल ने तब दो गेंदों का सामना किया था। उन्हें मिचेल स्टार्क ने आउट किया था।
वेलिंगटन एकदिवसीय बारिश से प्राभिवत रहा। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। इस मैच में मेजबान टीम ने 134 रन बनाये ओर भारतीय टीम ने डकवर्थ लुइस नियम से 4 रनों से मैच जीत लिया। भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 113 रन बनाये थे। इस मुकाबले में भी न्यूजीलैंड की टीम 200 के भीतर अंदर आउट हो गई है। पिछले मैच में भी कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी की थी और सस्ते में सिमट गई थी। इन दो मैचों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने बेबस दिखी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में 185 रन बनाए थे और दूसरे मुकाबले में 134 रनों पर बनाये। ये 25 साल बाद हुआ है, जब न्यूजीलैंड की टीम किसी भी एकदिवसीय सीरीज के दो मैचों में 200 के अंदर ऑलआउट हुई है। इससे पहले ऐसा साल 2001 में कीवी टीम के साथ श्रीलंका के खिलाफ हुआ था।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में खराब प्रदर्शन से मनु और सुरुचि ओलंपिक कोटा से चूकीं

दोहा। भारत की स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर और सुरूचि इंदर सिंह को 2028 लांस एजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा नहीं मिल पाया है। जिससे इनके प्रशंसक निराश है। ये दोनो ही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप की महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पदक हासिल करने में विफल रहीं थीं। इसी कारण इन्हें ओलंपिक के लिए प्रवेश नहीं मिल पाया है। मनु के लिए ये और भी निराशाजन कै क्योंकि पिछले ओलंपिक में उन्हें दो पदक मिले थे। दोनों ही खिलाड़ियों का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा और वे आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे प्रवेश टूर्नामेंट में भी प्रभावित नहीं कर पायीं। अब उन्हें ओलंपिक में प्रवेश के लिए अन्य क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में किस्मत आजमानी पड़ेगी फाइनल मुकाबले में अनुभवी भाकर 179.9 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं थी, जबकि एशियाई खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता सुरूचि इंदर सिंह को 158.3 अंक के साथ छठा स्थान मिला था। इस परिणाम के साथ ही, विश्व चैंपियनशिप में भारत का व्यक्तिगत पदक और ओलंपिक कोटा का इंतजार जारी रहा। यह चैंपियनशिप लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा का कोटा हासिल करने के लिए पहली बड़ी स्पर्धा है, जिससे भारतीय निशानेबाजी की संभावनों को झटका लगा है। फाइनल में आठ निशानेबाजों के बीच ही चीन की निशानेबाज छायी रही। जिन्होंने शीर्ष दोनों स्थानों पर चीन का ही कब्जा रहा। वहीं फाइनल में मनु को निरंतरता बनाए रखने के लिए लगातार संघर्ष करते देखा गया। उनके स्कोर 8.8 से 10.7 अंक के बीच रहे, जो शीर्ष पर पहुंचने और पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं थे। वह 18वें शॉट के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। इसी तरह, सुरूचि इंदर सिंह को भी अपने आठ और नौ अंक वाले शॉट का नुकसान उठाना पड़ा। भुगतना पड़ा, जिससे उन्हें फाइनल से जल्दी बाहर होना पड़ा। वह 16वें शॉट के बाद ही पदक की दौड़ से बाहर हो गयी थीं।



लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में इवरटोन व कावेंट्री के बीच फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

नई दिल्ली। इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अ?धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। अब अगले हफ्ते निवेशकों की नजर कई अहम कारकों पर रहेगी। 12 नवंबर को जारी होने वाले अक्टूबर के खुदरा महंगाई के आंकड़े बाजार की अगली चाल तय करेंगे। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों का रुख, कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिका के महंगाई आंकड़े और चीन के व्यापार व महंगाई से जुड़े आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई एफडी दरें, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा 7.20 फीसदी तक ब्याज

4 नवंबर से लागू हुई नई दरें, ग्राहकों को 0.50 फीसदी तक अधिक रिटर्न



नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े निजी बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को राहत देते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। बैंक ने विभिन्न अवधियों की एफडी पर ब्याज दरों में अधिकतम 0.50 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जो 4 नवंबर से लागू हो गई हैं। यह कदम विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और छोटी व मध्यम अवधि की जमा पर निवेश करने वालों के लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि उन्हें अपनी बचत पर अब बेहतर रिटर्न मिलेगा। खबरः एचडीएफसी बैंक की ओर से की गई यह ब्याज दर बढ़ोतरी तीन करोड़ रुपये से कम की जमा राशि वाली एफडी पर लागू होगी। नई दरों के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों को पांच साल की अवधि वाली एफडी पर अब अधिकतम 7.20 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जाएगा, जो उन्हें बेहतर रिटर्न अर्जित करने का अवसर प्रदान करेगा। सामान्य ग्राहकों के लिए भी कई अवधियों में ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। बैंक ने सबसे ज्यादा बढ़ोतरी छोटी और मध्यम अवधि की एफडी में की है। 61 दिनों से छह महीने तक की जमा पर ब्याज दर को 4.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो सीधे 0.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसी तरह, छह महीने एक दिन से नौ महीने तक की एफडी पर अब 5.65 प्रतिशत और नौ महीने एक दिन से एक साल से कम अवधि वाली एफडी पर 5.90 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जिससे निवेशकों को इस अवधि में भी बेहतर कमाई का मौका मिलेगा। एक साल से अधिक अवधि की एफडी पर भी नई दरें लागू हुई हैं। एक साल से 15 महीने से कम अवधि वाली जमा पर 6.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वहीं, 15 महीने से 18 महीने से कम अवधि की एफडी पर ब्याज दर 6.35 प्रतिशत रखी गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, बैंक ने तीन साल एक दिन से पांच साल तक की एफडी पर 7.20 प्रतिशत सालाना ब्याज दर तय की है, जो सामान्य ग्राहकों की तुलना में काफी अधिक है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक पांच साल के लिए 10 लाख रुपये की एफडी कराता है, तो उसे 7.20 प्रतिशत की दर से सामान्य ग्राहक के मुकाबले लगभग 41,521 रुपये अधिक ब्याज मिलेगा। एफडी को आम तौर पर सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, लेकिन ग्राहकों को निवेश से पहले अवधि, ब्याज भुगतान और समय से पहले निकासी शुल्क की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

लाभांश की बहार: अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

नई दिल्ली। अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर शेयर की कीमत में लाभांश के बराबर समायोजन होता है, जिससे निश्चित मुनाफे की गारंटी नहीं होती।

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली। बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं।



केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह नेशनल मीडिया सेंटर में नेशनवाइड डीएलसी कैंपेन 4.0 पर कॉफी-टेबल बुक जारी करते हुए।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम, निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई। नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी। सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ। मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ।

तीन दिन की गंदगी से मिली राहत, 13 घंटे में चमका भोपाल शहर



सफाईकर्मियों की हड़ताल खत्म होते ही रातभर चला सफाई अभियान

भोपाल। तीन दिन तक सफाईकर्मियों की हड़ताल के चलते गंदगी से पटी राजधानी भोपाल की तस्वीर महज 13 घंटे में बदल गई। शुक्रवार रात आठ बजे से शुरू हुआ विशेष सफाई अभियान शनिवार सुबह नौ बजे तक लगातार चला। इस दौरान प्रमुख सड़कों, बाजारों और रहवासी इलाकों में एक साथ सफाई कराई गई। न्यू मार्केट सहित शहर के प्रमुख बाजारों की पानी से धुलाई की गई, वहीं गली-मोहल्लों से जमा कचरा उठाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद कर्मचारी संगठनों की ओर से हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया गया था। इसके बाद ही सफाईकर्मी रात में मैदान में उतर आए। तीन दिन तक सफाई व्यवस्था ठप रहने से शहर के बाजारों, सड़कों और रहवासी क्षेत्रों में कचरे के ढेर लग गए थे। सात हजार से अधिक सफाईकर्मियों के हड़ताल पर रहने के कारण जगह-जगह गंदगी फैल गई थी। हड़ताल खत्म होने के बाद नगर निगम के अमले ने अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था बहाल करने का काम शुरू किया। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट के अनुसार, शनिवार दोपहर तक पूरे शहर की सफाई का लक्ष्य रखा गया था। इसके बाद नियमित सफाई व्यवस्था के तहत रोजाना निकलने वाला कचरा ही शेष रहेगा। हड़ताल खत्म होने के बाद शुक्रवार रात से ही सफाईकर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया। सबसे पहले प्रमुख सड़कों और बाजारों से कचरा उठाया गया। इसके बाद गली-मोहल्लों और रहवासी क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर जमा कचरे को हटाया। बाजारों में पानी से धुलाई कर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। शुक्रवार रात कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, महापौर मालती राय और नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार सहित अन्य अधिकारी 10 नंबर मार्केट पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई अभियान में हिस्सा लेते हुए झाड़ू लगाई। शनिवार सुबह महापौर और निगम कमिश्नर ने न्यू मार्केट, चौक बाजार सहित अन्य प्रमुख बाजारों का निरीक्षण किया। महापौर मालती राय ने बताया कि कर्मचारियों ने रातभर कचरा उठाने और सफाई का काम किया। सुबह अधिकारियों की टीम ने बाजारों में पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया। सात हजार से अधिक सफाईकर्मियों की हड़ताल खत्म कराने में मंत्री कृष्णा गौर की पहल अहम रही। उन्होंने यूनियन पदाधिकारियों से चर्चा कर उनकी मांगों और समस्याओं को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनकी मुलाकात कराई गई। मुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा सकारात्मक रहने के बाद कर्मचारी संगठन ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। इसके साथ ही तीन दिन से ठप पड़ी सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए रात से ही अभियान शुरू हो गया। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट के मुताबिक, भोपाल नगर निगम के इतिहास में सफाईकर्मियों की यह सबसे बड़ी हड़ताल थी।



